



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 186]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 13, 2001/आषाढ़ 22, 1923

No. 186]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 13, 2001/ASADHA 22, 1923

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 2001

सं. टीएएमपी/44/2000-पीपीटी.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा संलग्न आदेशानुसार धर्मार्थ संस्थाओं को प्रेषित उपहार कार्गो के लिए बाहक के स्वरूप और पार्सल करने के प्रकार पर विचार किए बिना 30 दिन का विलंब-शुल्क मुक्त समय देने के संबंध में पारादीप पत्तन न्यास के प्रस्ताव का अनुमोदन करता है।

अनुसूची

मामला सं. टीएएमपी/44/2000-पीपीटी

पारादीप पत्तन न्यास (पीपीटी)

आवेदक

आदेश

(जून, 2001 के 28वें दिन पारित किया गया)

यह मामला धर्मार्थ संस्थाओं को प्रेषित उपहार कार्गो के लिए आयात की पद्धति अर्थात् जलयानों, लैश बजरो अथवा कंटेनरों के माध्यम से आयात किए जाने पर विचार किए बिना 30 दिन का निःशुल्क समय देने के लिए पारादीप पत्तन न्यास (पीपीटी) से प्राप्त प्रस्ताव से संबंधित है।

2.1. पीपीटी ने अपने प्रस्ताव में निम्नलिखित बातों का उल्लेख किया है :-

- (i) इस पत्तन पर उपहार कार्गो लैश बजरो और कंटेनरों दोनों से प्राप्त होते हैं।
- (ii) यदि उपहार कार्गो लैश बजरो में प्राप्त होता है तो महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण के 30 सितम्बर, 1999 के आदेश द्वारा यथा संशोधित दरों के मान के खंड 3.3 (viii) के अनुसार उपहार कार्गो के लिए 30 दिन का निःशुल्क समय दिया जाता है। यही उपहार कार्गो कंटेनरों में प्राप्त होने पर दरों के मान के खंड 3.3.1 (ii) के उपबंधों के अधीन आता है, जिसमें अवतारण की तारीख से 15 दिन का निःशुल्क समय निर्धारित किया गया है।

2.2. इस परिप्रेक्ष्य में, पीपीटी ने धर्मार्थ संस्थाओं को प्रेषित सभी उपहार कार्गो के लिए आयात की पद्धति पर विचार किए बिना 30 दिन का एकसमान निःशुल्क समय लागू करने का प्रस्ताव किया है। इस प्रस्ताव का पीपीटी के न्यासी बोर्ड द्वारा अपनी 25 अप्रैल, 2001 की बैठक में समर्थन किया गया था।

3.1. इस प्रस्ताव की प्रति उत्कल वाणिज्य और उद्योग मण्डल, कंटेनर नौवहन सेवा संघ और भारतीय राष्ट्रीय पोतस्वामी संघ को उनकी टिप्पणियों के लिए भेजी गई थी।

3.2. चूंकि यह प्रस्ताव इस प्राधिकरण द्वारा कंटेनरयुक्त कार्गो के लिए पहले से लिए गए निर्णय को लागू करने के लिए है, इसलिए इस मामले में कोई पृथक संयुक्त सुनवाई आवश्यक नहीं समझी गई।

4.1. इस प्राधिकरण ने पहले ही 30 सितम्बर, 1999 को पीपीटी पर उपहार कार्गो के लिए निःशुल्क समय 45 दिन से घटाकर 30 दिन करने का आदेश पारित किया था। इससे पूर्व, पीपीटी की दरों के मान के खंड 3.3 (viii) के अनुसार उपहार कार्गो के लिए निःशुल्क समय 45 दिन था। परंतु, पीपीटी की दरों के मान के खंड 3.3.1 (2) के अनुसार एलसीएल कंटेनरों के मामले में निःशुल्क समय अवतारण की तारीख से केवल 15 दिन और एफसीएल कंटेनरों के मामले में 7 दिन था।

4.2. इस प्राधिकरण के पूर्ववर्ती आदेश का आशय धर्मार्थ संस्थाओं द्वारा आयात किए जाने वाले उपहार कार्गो के लिए 30 दिन का निःशुल्क समय देना था। 'निःशुल्क समय' प्रदान करने के प्रयोजन के लिए ब्रेक-बल्क कार्गो और कंटेनरयुक्त कार्गो के बीच अंतर जानबूझकर नहीं किया गया है, अपितु दरों के मान को खंडों में विभाजित करने के कारण हुआ है।

5. परिणामस्वरूप, उपहार कार्गो के लिए 30 दिन का निःशुल्क समय निर्धारित करने के लिए इस प्राधिकरण द्वारा पहले से लिए गए निर्णय के मद्देनजर पीपीटी का प्रस्ताव अनुमोदित किया जाता है। खंड 3.3 (viii) और 3.3.1 (2) दोनों के अधीन निम्नलिखित शर्त को शामिल करने के लिए पीपीटी की दरों के मान में तदनुसार संशोधन किया जाता है।

"सभी धर्मार्थ संस्थाओं को प्रेषित उपहार कार्गो के लिए निःशुल्क समय 30 दिन होगा। यह निःशुल्क समय वाहक के स्वरूप और पार्सल करने के प्रकार पर विचार किए बिना स्वीकार्य होगा।"

एस. सत्यम, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/IV/143/2001/असाधारण]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th July, 2001

No. TAMP/44/2000-PPT.—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby approves the proposal of the Paradip Port Trust about allowing 30 days' of demurrage free time to gift cargo consigned to charitable organisations irrespective of the nature of carrier and the type of packaging as in the Order appended hereto.

SCHEDULE
Case No. TAMP/44/2000-PPT

The Paradip Port Trust (PPT)

Applicant

ORDER

(Passed on this 28th day of June 2001)

This case relates to a proposal received from the Paradip Port Trust (PPT) to allow 30 days free time to gift cargo consigned to charitable organisations irrespective of its mode of import i.e. through vessels, LASH barges or containers.

2.1. In its proposal, the PPT has mentioned the following:

- (i). Gift cargo are received at the Port both by LASH barges and in containers.
- (ii). If received in LASH barges, gift cargo are allowed 30 days free time as per clause 3.3(viii) of the Scale of Rates as amended by the TAMP's Order dated 30 September 1999. Similar gift cargo received in containers are subject to the provisions of clause 3.3.1(ii) of the Scale of Rates which prescribes a free time of 15 days from the date of landing.

2.2. In this backdrop, the PPT has proposed to extend a uniform free time of 30 days to all gift cargo consigned to charitable organisations irrespective of its mode of import. The proposal was endorsed by the Board of Trustees of the PPT in its meeting held on 25 April 2001.

3.1. A copy of proposal was circulated among the Utkal Chamber of Commerce and Industries, the Container Shipping Lines Association and the Indian National Ship-owners' Association for their comments.

3.2. Since the proposal is for extension of the decision already been taken by this Authority to containerised cargo, no separate joint hearing in this case has been considered necessary.

4.1. This Authority had already passed an Order on 30 September 1999 reducing the free time for gift cargo at the PPT from 45 days to 30 days. Earlier, the free time for gift cargo was 45 days in terms of clause 3.3(viii) of the PPT Scale of Rates. It was, however, only 15 days from the date of landing in case of LCL containers and 7 days in case of FCL containers in terms of clause 3.3.1(2) of the Scale of Rates of the PPT.

4.2. The intention behind the earlier Order of this Authority is to allow a free time of 30 days for gift cargo imported by charitable organisations. The differentiation between break-bulk cargo and containerised cargo for the purpose of allowing the 'free time' is not intentional but due to characterisation of the Scale of Rates.

5. In the result, and in view of the decision already taken by this Authority to prescribe a free time of 30 days for gift cargo, the proposal of the PPT is approved. The Scale of Rates of the PPT is accordingly amended to incorporate the following conditionality both under clauses 3.3(viii) and 3.3.1(2).

"Free time for gift cargo consigned to all charitable organisations will be 30 days. This free time shall be allowed irrespective of the nature of carrier and the type of packaging".

S. SATHYAM, Chairman

